रहते हो कहाँ सन्यासी

कोई कहे कैलाशो के तुम हो वासी,
कोई कहे तुम रहते हो काशी॥

हिमाचल की बेटी गौरा तेरी दासी,
रहते हो कहाँ सन्यासी॥

कोई कहे कैलाशो के तुम हो वासी,
कोई कहे तुम रहते हो काशी॥

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/27913/title/rehte-ho-kahan-sanyasi

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |